जोधपुर, शनिवार, 01 अप्रैल, 2023

मेवाड़ विश्वविद्यालय में हुआ डिस्कवर योरसेल्फ विषय पर आधारित व्याख्यान

विद्यार्थियों को बताएं जीवन जीने के नियम

सकारात्मक सोच से जीवन और कैरियर दोनों को सफल बनाया जा सकता है

सच मीडिया

चित्तौड़गढ़ (अमित कुमार चेचानी)। मेवाड़ विश्वविद्यालय में शुक्रवार को विधि अध्ययन के विभाग में कुलपति डॉ आलोक मिश्रा के मार्गदर्शन में डिस्कवर योरसेल्फ थीम पर आधारित विद्यार्थियों के लिए एक सामाजिक जागरूकता व्याख्यान आयोजित किया गया। जिसमे विद्यार्थियों को आत्मविश्लेषण, अनुसंधान और स्वयं के प्रति जागरूकता के तकनीकी गुर बताए गए। इस कार्यक्रम के अतिथि वक्ता डॉ. सुदीप्ता राठ थे।

इस मौके पर अतिथि वक्ता और डिस्कवर योरसेल्फ की संस्थापक डॉ. सुदीप्ता राठ ने विद्यार्थियों को सार्वभौमिक कानून के तहत कानून के आकर्षण का नियम भी बतलाया कि किस प्रकार विधार्थी सकारात्मक सोच अपनाकर जीवन और कैरियर दोनो को सफल बना सकते है। इस मौके पर विद्यार्थियों को अपने अंदर छिपी अंतर्निहित शक्तियों को पहचानने और समझने की प्रक्रिया भी बताई गई। इसके अलावा विद्यार्थियों को इलेक्ट्रॉनिक गजट से स्वास्थ्य पर पड़ने वाले मानसिक दुष्प्रभावो की भी जानकारी दी। विद्यार्थियों को निर्धारित दिनचर्या बनाकर और उसे अपने जीवन में अपनाते हुए किस प्रकार संबंधों, कैरियर, और जीवन में सफलता हासिल की जा सकती है की भी जानकारी दी द्य

इस मौके पर मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आलोक मिश्रा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस तरह के व्याख्यान से छात्रों के अंदर आत्मविश्वास बढ़ता है और उन्हें अपने असीमित पोटेंशियल के संचालन में मदद मिलती है। इस मौके पर विधि, डीएलएड, बीए इतिहास और समाजशास्त्र के काफी विद्यार्थियों ने भाग लिया।

मेवाड़ विश्वविद्यालय में हुआ डिस्कवर योरसेल्फ विषय पर आधारित व्याख्यान

विद्यार्थियों को बताएं जीवन जीने के नियम सकारात्मक सोच से जीवन और कैरियर दोनों को सफल बनाया जा सकता है चित्तौड़ गढ़ (अमित कुमार चेचानी)। मेवाड़ विश्वविद्यालय में शुक्रवार को विधि अध्ययन के विभाग में कुलपति डॉ आलोक मिश्रा के मार्गदर्शन में शडिस्कवर योरसेल्फश थीम पर आधारित विद्यार्थियों के लिए एक सामाजिक जागरूकता व्याख्यान आयोजित किया गया। जिसमे विद्यार्थियों को आत्मविश्लेषण, अनुसंधान और स्वयं के प्रति जागरूकता के तकनीकी गुर बताए गए। इस कार्यक्रम के अतिथि वक्ता डॉ. सुदीप्ता राठ थे। इस मौके पर अतिथि वक्ता और डिस्कवर योरसेल्फ की संस्थापक डॉ. सुदीप्ता राठ ने विद्यार्थियों को सार्वभौमिक कानून के तहत श्कानून के आकर्षण का नियमश भी बतलाया कि किस प्रकार विधार्थी सकारात्मक सोच अपनाकर जीवन और कैरियर दोनो को सफल बना सकते है। इस मौके पर विद्यार्थियों को अपने अंदर छिपी अंतर्निहित शक्तियों को पहचानने और समझने की प्रक्रिया भी बताई गई। इसके अलावा विद्यार्थियों को इलेक्ट्रॉनिक गजट से स्वास्थ्य पर पड़ने वाले मानसिक दुष्प्रभावो की भी जानकारी दी। विद्यार्थियों को निर्धारित दिनचर्या बनाकर और उसे अपने जीवन में अपनाते हुए किस प्रकार संबंधों, कैरियर, और जीवन में सफलता हासिल की जा सकती है की भी जानकारी दी इस मौके पर मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आलोक मिश्रा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस तरह के व्याख्यान से छात्रों के अंदर आत्मविश्वास बढ़ता है और उन्हें अपने असीमित पोटेंशियल के संचालन में मदद मिलती है। इस मौके पर विधि, डीएलएड, बीए इतिहास और समाजशास्त्र के काफी विद्यार्थियों ने भाग लिया।

मेवाड़ विश्वविद्यालय में हुआ डिस्कवर योरसेल्फ विषय पर आधारित व्याख्यान

विद्यार्थियों को बताएं जीवन जीने के नियम

सकारात्मक सोच से जीवन और कैरियर दोनों को सफल बनाया जा सकता है

राजस्थान दर्शन

चित्तौड़गढ़ मेवाड़ विश्वविद्यालय में शुक्रवार को विधि अध्ययन के विभाग में कुलपति डॉ आलोक मिश्रा के मार्गदर्शन में %डिस्कवर योरसेल्फ% थीम पर आधारित विद्यार्थियों के लिए एक सामाजिक जागरूकता व्याख्यान आयोजित किया गया। जिसमे विद्यार्थियों को आत्मविश्लेषण, अनुसंधान और स्वयं के प्रति जागरूकता के तकनीकी गुर बताए गए। इस कार्यक्रम के अतिथि वक्ता डॉ. सुदीप्ता राठ थे। इस मौके पर अतिथि वक्ता और डिस्कवर योरसेल्फ की संस्थापक डॉ. सुदीप्ता राठ ने विद्यार्थियों को सार्वभौमिक कानून के तहत %कानून के आकर्षण का नियम% भी बतलाया कि किस प्रकार विधार्थी सकारात्मक सोच अपनाकर जीवन और कैरियर दोनो को सफल बना सकते है। इस मौके पर विद्यार्थियों को अपने अंदर छिपी अंतर्निहित शक्तियों को पहचानने और समझने की प्रक्रिया भी बताई गई। इसके अलावा विद्यार्थियों को इलेक्ट्रॉनिक गजट से स्वास्थ्य पर पड़ने वाले मानसिक दुष्प्रभावो की भी जानकारी दी। विद्यार्थियों को निर्धारित दिनचर्या बनाकर और उसे अपने जीवन में अपनाते हुए किस प्रकार संबंधों, कैरियर, और जीवन में सफलता हासिल की जा सकती है की भी जानकारी दी इस मौके पर मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आलोक मिश्रा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस तरह के व्याख्यान से छात्रों के अंदर आत्मविश्वास बढ़ता है और उन्हें अपने असीमित पोटेंशियल के संचालन में मदद मिलती है। इस मौके पर विधि, डीएलएड, बीए इतिहास और समाजशास्त्र के काफी विद्यार्थियों ने भाग लिया।

मेवाड़ विश्वविद्यालय में हुआ 'डिस्कवर योरसेल्फ' विषय पर आधारित व्याख्यान

चित्तौड़गढ़। मेवाड़ विश्वविद्यालय में शुक्रवार को विधि अध्ययन के विभाग में कुलपति डॉ आलोक मिश्रा के मार्गदर्शन में 'डिस्कवर योरसेल्फ' थीम पर आधारित विद्यार्थियों के लिए एक सामाजिक जागरूकता व्याख्यान आयोजित किया गया। जिसमे विद्यार्थियों को आत्मविश्लेषण, अनुसंधान और स्वयं के प्रति जागरूकता के तकनीकी गुर बताए गए। इस कार्यक्रम के अतिथि वक्ता डॉ. सुदीप्ता राठ थे। इस मौके पर अतिथि वक्ता और डिस्कवर योरसेल्फ की संस्थापक डॉ. सुदीप्ता राठ ने विद्यार्थियों को सार्वभौमिक कानून के तहत 'कानून के आकर्षण का नियम' भी बतलाया कि किस प्रकार विधार्थी सकारात्मक सोच अपनाकर जीवन और कैरियर दोनो को सफल बना सकते है। इस मौके पर विद्यार्थियों को अपने अंदर छिपी अंतर्निहित शक्तियों को पहचानने और समझने की प्रक्रिया भी बताई गई। इसके अलावा विद्यार्थियों को इलेक्ट्रॉनिक गजट से स्वास्थ्य पर पड़ने वाले मानसिक दुष्प्रभावो की भी जानकारी दी। विद्यार्थियों को निर्धारित दिनचर्या बनाकर और उसे अपने जीवन में अपनाते हुए किस प्रकार संबंधों, कैरियर, और जीवन में सफलता हासिल की जा सकती है की भी जानकारी दी ' इस मौके पर मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आलोक मिश्रा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस तरह के व्याख्यान से छात्रों के अंदर आत्मविश्वास बढ़ता है और उन्हें अपने असीमित पोटेंशियल के संचालन में मदद मिलती है। इस मौके पर विधि, डीएलएड, बीए इतिहास और समाजशास्त्र के काफी विद्यार्थियों ने भाग लिया।

» QUICK NEWS

मेवाड़ विश्वविद्यालय में 'डिस्कवर योरसेल्फ' विषय पर हुआ व्याख्यान आयोजित

विद्यार्थियों को बताएं जीवन जीने के नियम

■दास्ताने भीलवाड़ा @ चित्तौड़गढ़

मेवाड़ विश्वविद्यालय में शुक्रवार को विधि अध्ययन के विभाग में कुलपति डॉ आलोक मिश्रा के मार्गदर्शन में %डिस्कवर योरसेल्फ% थीम पर आधारित विद्यार्थियों के लिए एक सामाजिक जागरूकता व्याख्यान आयोजित किया गया। जिसमे विद्यार्थियों को आत्मविश्लेषण, अनुसंधान और स्वयं के प्रति जागरूकता के तकनीकी गुर बताए गए। इस कार्यक्रम के अतिथि वक्ता डॉ. सुदीप्ता राठ थे।

इस मौके पर अतिथि वक्ता और डिस्कवर योरसेल्फ की संस्थापक डॉ. सुदीप्ता राठ ने विद्यार्थियों को सार्वभौमिक कानून के तहत %कानून के आकर्षण का नियम% भी बतलाया कि किस प्रकार विधार्थी सकारात्मक सोच अपनाकर जीवन और कैरियर दोनो को सफल बना सकते है। इस मौके पर विद्यार्थियों को अपने अंदर छिपी अंतर्निहित शक्तियों को पहचानने और समझने की प्रक्रिया भी बताई गई। इसके अलावा विद्यार्थियों को इलेक्ट्रॉनिक गजट से स्वास्थ्य पर पड़ने वाले मानसिक दुष्प्रभावो की भी जानकारी दी। विद्यार्थियों को निर्धारित दिनचर्या बनाकर और उसे अपने जीवन में अपनाते हुए किस प्रकार संबंधों, कैरियर, और जीवन में सफलता हासिल की जा सकती है की भी जानकारी दी।

इस मौके पर मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आलोक मिश्रा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस तरह के व्याख्यान से छात्रों के अंदर आत्मविश्वास बढ़ता है और उन्हें अपने असीमित पोटेंशियल के संचालन में मदद मिलती है। इस मौके पर विधि, डीएलएड, बीए इतिहास और समाजशास्त्र के काफी विद्यार्थियों ने भाग लिया।

स्टूडेंट्स को बताएं जीवन जीने के कायदे

गंगरार। मेवाड़ यूनिवर्सिटी में शुक्रवार को विधि अध्ययन के विभाग में वाइस चांसलर डॉ आलोक मिश्रा के मार्गदर्शन में डिस्कवर योरसेल्फ थीम पर एक सामाजिक जागरूकता व्याख्यान आयोजित किया गया। जिसमे विद्यार्थियों को आत्मविश्लेषण, अनुसंधान और स्वयं के प्रति जागरूकता के तकनीकी गुर बताए गए। मुख्य वक्ता डिस्कवर योरसेल्फ की संस्थापक डॉ. सुदीप्ता राठ ने विद्यार्थियों को अपने अंदर छिपी अंतर्निहित शक्तियों को पहचानने और समझने की प्रक्रिया भी बताई गई।

Dainik Navajyoti 01-04-2023

स्टूडेंट्स को बताएं जीवन जीने के नियम

गंगरार (प्रातःकाल संवाददाता)। मेवाड़ यूनिवर्सिटी में शुक्रवार को विधि अध्ययन के विभाग में वाइस चांसलर डॉ आलोक मिश्रा के मार्गदर्शन में डिस्कवर योरसेल्फ थीम पर आधारित विद्यार्थियों के लिए एक सामाजिक जागरूकता व्याख्यान आयोजित किया गया। इसमें विद्यार्थियों को आत्मविश्लेषण, अनुसंधान और स्वयं के प्रति जागरूकता के तकनीकी गुर बताए गए। इस कार्यक्रम के अतिथि वक्ता डॉ. सुदीप्ता राठ थे। इस मौके पर अतिथि वक्ता और डिस्कवर योरसेल्फ की संस्थापक डॉ. सुदीप्ता राठ ने विद्यार्थियों को सार्वभौमिक कानून के तहत 'कानून के आकर्षण का नियम' भी बतलाया कि किस प्रकार विद्यार्थी सकारात्मक सोच अपनाकर जीवन और कैरियर दोनों को सफल बना सकते हैं।

Pratahkal 01-04-2023